Q. "अहिंसा का दूत" का सारांश अपने भाषा में
U. यह पाठ गाँधी जी के बचपन के बारे में है।
→ गांधी जी को बचपन मे पेड पर चढ़ने का बड़ा शौक था, पर उनके पिता उन्हें पेड पर चढ़ने के लिए मना करते थे। एक दिन गांधी जी छुप कर पेड पर चढ़ गए और उनके बड़े भाई ने उन्हें देख लिए।
⇒ भाई ने गांधी जी एक तमाचा मारा। गांधी जी अपने माँ के पास जाकर भाई की शिकायत, पर उनके माँ ने कहा तुम भी उसे एक तमाचा मार दो।
→ गांधी उदास होकर बोला - "मां वे मुझे बड़े मैं उन्हें कैसे मार सकता हूं। इसे पता चलता की गांधी जी बचपन से ही अहिंसा के पुजारी थे। हमें भी उनकी तरह हिंसा का

Date ____________
Page ____________

बदला हिंसा से नहीं अहिंसा से लेना चाहिए।

———— * ————